CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 15-03-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMFP User: vartul.awasthi@timesofindia.co Time: 03-14-2026 21:25 Color:

नवभारत टाइम्स NBT
I ADVERTORIAL ENTERTAINMENT PROMOTIONAL FEATURE
Lucknow Times masalamix OF INDIA
नवभारत टाइम्स, कानपुर (कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रसारित), रविवार, 15 मार्च 2026

आयुष्मान-सारा की स्पाई कॉमिडी पर काम फिर शुरू Page 4

बर्थडे पार्टी का है खास प्लान!

रणबीर बेटी राहा के संग आलिया भट्ट का जन्मदिन बेहद खास तरह से मनाना चाहते थे, जिसके लिए उन्होंने हॉन्गकॉन्ग को चुना। बताया जा रहा है कि जन्मदिन को लेकर तीनों ने खास तैयारियां भी की हुई हैं।

हॉन्ग कॉन्ग में परिवार के साथ बर्थडे मनाएंगी आलिया

आलिया भट्ट का आज जन्मदिन है और अपने बर्थडे से पहले आलिया अपने पति रणबीर कपूर और बेटी राहा के साथ एंजॉय करने के लिए हॉन्गकॉन्ग में हैं। सोशल मीडिया पर इस खूबसूरत कपल की कई फोटोज और विडियोज वायरल हो रहे हैं। एक फोटो में आलिया राहा को अपनी गोद में लिए हुए हैं और उनके पीछे रणबीर कपूर खड़े नजर आ रहे हैं।

इस दौरान राहा ने लाल रंग की ड्रेस पहनी हुई है जबकि आलिया ग्रे कलर के कपड़ों में नजर आ रही हैं और रणबीर कपूर डेनिम जैकेट में कूल लग रहे हैं। हॉन्गकॉन्ग की गलियों में आलिया-रणबीर अपनी बेटी राहा के साथ घूमते हुए भी देखे गए। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक विडियो में वे एक पार्क में दिखाई दे रहे हैं। वहीं विडियो में आलिया पति और बेटी के साथ एक व्हाइट कलर की बड़ी बिल्डिंग की तरफ जाती हुई दिख रही हैं। गौरतलब है कि आलिया इन दिनों अपनी फिल्म अल्फा को लेकर चर्चा में हैं।

हॉन्ग कॉन्ग में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट बेटी राहा के साथ

‘डेब्यू के बाद जैसा मुकाम चाहती थी, वह अभी दूर है’

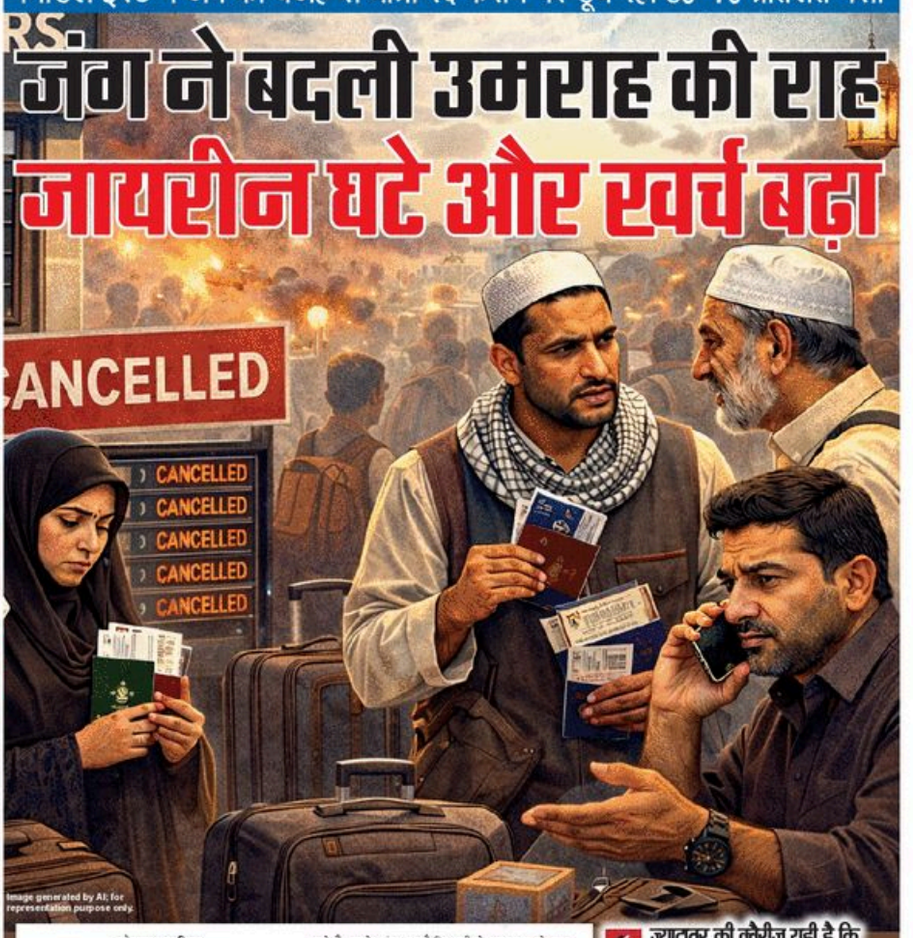

जाह्नवी कपूर की बहन खुशी कपूर ने फिल्म आर्चीज से ऐक्टिंग डेब्यू किया था। अब हाल ही में उन दिनों को याद करते हुए खुशी ने कहा है कि उस समय उन्हें अक्सर लगता था कि वह बेहद औसत हैं और उन्हें अभी काफी मेहनत करनी है। खुशी कहती हैं, ‘कई बार ऐसा लगता था कि मैं अभी वहां नहीं पहुंची हूं, लेकिन कहीं नहीं हूं, ऐसा भी नहीं है। यह थोड़ा डरावना था, लेकिन मैंने खुद को याद दिलाया कि असली ग्रोथ सफर के बीच में ही होती है, अंत में नहीं। यही सोच मुझे आगे बढ़ने की हिम्मत देती रही।’

इंडस्ट्री में लगातार तुलना होने के माहौल के बीच खुशी बताती हैं कि वह अपने भीतर की शांति कैसे बनाए रखती हैं। उनके मुताबिक, ‘मेरा सेफ स्पेस मेरे अपने लोग हैं, जिनमें मेरे करीबी दोस्त और परिवार शामिल हैं। जो मुझे ऐक्टर खुशी कपूर नहीं बल्कि सिर्फ खुशी के रूप में देखते हैं। इसके अलावा मैं छोटी-छोटी आदतें अपनाती हूं, जैसे रोजमर्रा की बातों को डायरी में लिखना या शांति में शाम को बिताना। इससे मुझे शोर-शराबे से दूर रहने में मदद मिलती है।’

> मेरा सेफ स्पेस मेरे अपने लोग हैं, जो मुझे ऐक्टर खुशी कपूर नहीं बल्कि सिर्फ खुशी के रूप में देखते हैं।

मिडिल ईस्ट में जंग की वजह से यात्रा रद कराने पर डूब रहा 60-70 प्रतिशत पैसा

जंग ने बदली उमराह की राह
जायरीन घटे और खर्च बढ़ा

Image generated by AI: for representation purpose only.

मोहम्मद फाजिल

रमजान के पाक महीने में उमराह के लिए मक्का-मदीना जाने वाले जायरीनों की रौनक इस बार जंग की वजह से फीकी पड़ गई है। लखनऊ से सऊदी अरब जाने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। हालात ऐसे हैं कि वीजा मिलने के बावजूद लोग अपना सफर रद्द कर रहे हैं। डर, अनिश्चितता और सुरक्षा को लेकर उठ रहे सवालों ने जायरीनों के साथ ट्रैवल एजेंसियों को भी आर्थिक संकट में डाल दिया है। पिछले कुछ वर्षों की तुलना में इस बार जायरीनों की संख्या 40 प्रतिशत तक घट गई है, जबकि कैंसिलेशन और बढ़े खर्च ने यात्राओं को और मुश्किल बना दिया है।

25 से 30 प्रतिशत घटे तीर्थयात्री

रमजान के पाक महीने में पवित्र मक्का और मदीना की जियारत कर उमराह की रस्म अदा करने के लिए मुसलमान सऊदी अरब जाते हैं। हालांकि, इस बार जंग के चलते तमाम लोगों ने वीजा मिलने के बावजूद अपना प्रोग्राम कैंसिल कर दिया। इससे ट्रैवल्स का कारोबार भी प्रभावित हुआ है। अल हमद टूर एंड ट्रैवल्स के ओनर साहिल बताते हैं कि कारोबार पर जंग का बुरा असर पड़ा है। जिनके प्रोग्राम तय थे, वे दिन में कई बार फोन कर हालात का जायजा लेते रहते हैं। उनके अंदर डर है कि कहीं वो उमराह करने जाए और वहां पर हालात अधिक खराब ना हो जाएं। कई लोग तो टूर कैंसिल करने के लिए भी कहते हैं। फिर हम समझाते हैं कि ऐसा कुछ नहीं होगा। हालांकि, कुछ डर और दहशत के कारण जाने को तैयार नहीं हैं। ओवर ऑल बात की जाए तो करीब 30 से 40 प्रतिशत तक जायरीन कम हुए हैं। हम लोग 50 का ग्रुप भेजते हैं। ऐसे में हर ग्रुप से करीब पांच से दस लोगों ने अपना टिकट कैंसिल करवाया है।

जायरीनों का 60 प्रतिशत तक हो रहा नुकसान

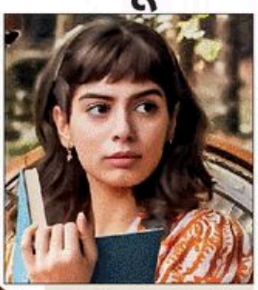

साहिल बताते हैं कि उमराह के लिए बुकिंग काफी पहले से होने लगती है। ऐसे में जब जंग की स्थिति बनी तो कई ने अपना टूर कैंसिल कर दिया। ऐसे में उनका नुकसान भी हो रहा है। एक व्यक्ति का पैकेज करीब डेढ़ लाख रुपये तक का होता है। वह जब कैंसिल करते हैं तो उनका 60 से 70 प्रतिशत तक पैसा डूब जाता है। वह पैसा उनको वापस नहीं मिलता। अब तक जितने भी लोगों ने कैंसिल करवाया है, उनको आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

CONTINUED ON ▸ 3

> ज्यादातर की क्वैरीज यही है कि वहां जाना कितना सेफ है। हर दूसरी-तीसरी क्वैरीज वहां मौजूद स्थिति को लेकर है। इस कारण हमारे पास करीब 30-40 प्रतिशत कम बुकिंग हुई है।
>
> -मोहम्मद कलीम, उमराह फर्स्ट टूर एंड ट्रैवल्स

नई बुकिंग पर 30 से 50 हजार का अतिरिक्त खर्च

मिडिल ईस्ट में जंग की स्थिति बनी रहने से ट्रैवल्स वालों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अब जो हालात हैं, उसमें ट्रैवल्स वालों को नए ग्रुप बनाने में समस्या आ रही है। सऊदी में होटल महंगे हो गए इसलिए अब यहां से नई बुकिंग पर करीब 30 से 50 हजार रुपये का अतिरिक्त खर्च बढ़ गया है। इसका सीधा असर जायरीनों के ऊपर पड़ रहा। सबसे बड़ी दिक्कत जायरीनों को यह यकीन दिलाना है कि आप वहां पर सुरक्षित रहेंगे।

रिश्ते ईगो से नहीं, समझ और संतुलन से चलते हैं: शिल्पा शिंदे

वर्तुल अवस्थी

महिला दिवस पर शिल्पा शिंदे से बातचीत ऐसा अनुभव था जैसे किसी ऐसी आवाज को सुनना, जो बगावत को समझती है और संतुलन को भी। उनके लिए निर्णय लेना सिर्फ अधिकार नहीं, अपनी जगह, पहचान और गरिमा बचाने की प्रक्रिया है। वह मानती हैं कि हर ‘न’ लड़ाई नहीं होती और हर ‘हां’ झुकना नहीं होता। रिश्ते, काम और व्यक्तिगत स्पेस के बीच उन्होंने बार-बार साबित किया कि असली ताकत टकराव में नहीं बल्कि सही समय पर सही बात कहने की ईमानदार हिम्मत में है। शिल्पा बताती हैं कि समझ और सम्मान ही हर रिश्ते की असली नींव है। बीते दिनों लखनऊ आईं ‘भाबीजी घर पर हैं’ फेम अंगूरी भाभी से पेश है यह खास बातचीत।

बगावत करें पर अपने मुद्दों को सही से भी रखें

मुझे लगता है कि डिसीजन मेकिंग स्पेस में अपनी खुद की जगह होना बहुत जरूरी है। अब भी बहुत सारे ऐसे घर हैं, जहां लोग बहुत पढ़े-लिखे हैं लेकिन फैसले लेने में महिलाओं को वह स्पेस नहीं दे पाते हैं। ‘तुम चुप रहो’, ‘तुम्हें नहीं पता’ या ‘यह तुम्हारा काम नहीं है’, बहुत सारी महिलाएं ये सब बर्दाश्त करती हैं। मैं यह नहीं कहूंगी कि हर बात पर बगावत करो लेकिन अपने मुद्दे को अच्छे तरीके से भी रखा जा सकता है। दरअसल, बहुत सी महिलाएं फिर बिल्कुल गलत तरीके से बगावत पर उतर आती हैं कि मेरा तो इस घर में जमता नहीं है, मेरा तो इस घर में कुछ हो ही नहीं सकता या मेरी तो कोई सुनता नहीं है। आप अपने मुद्दे को बहुत प्यार से भी रख सकते हो, थोड़ा अलग तरीके से भी रख सकते हो तो यह कोशिश करनी बहुत जरूरी है।

> अगर सामने वाला आपको नहीं समझ रहा है तो आप समझिए, बातचीत कीजिए और चीजों को बेहतर करने की कोशिश कीजिए।

स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव नहीं

रिश्तों और समाज की ज्यादातर उलझनें लोगों की सोच और व्यवहार के फर्क से पैदा होती हैं। आज कहा जाता है कि महिलाएं बहुत स्ट्रॉन्ग हो गई हैं इसलिए शादियां नहीं चल रहीं, जबकि स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव करना नहीं बल्कि जिम्मेदारियों और फैसलों को समझदारी से निभाना है। समाज चाहे जितना आगे बढ़ जाए, मां बनने के बाद महिला की जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं और वहीं पति-पत्नी दोनों को मिलकर चलने की जरूरत होती है। सम्मान हमेशा दोनों तरफ से बराबर होना चाहिए, न किसी का ज्यादा, ना किसी का कम। जब यह बैलेंस टूटता है तो औरत को लगता है कि उसने बहुत त्याग किया, लेकिन उसकी कद्र नहीं हुई। मैंने देखा है कि कई सास बहू को आसानी से स्वीकार नहीं कर पातीं, चाहे उनकी बहू की बेटी भी हो। वह सास, सास ही रहती है। बहुत कम लोग हैं, जो अपने बेटे को छोड़कर बहू की साइड लेते हैं, जबकि बात सिर्फ समझाने और शांत रहने से भी संभल सकती है। जब एक तरफ से समझदारी नहीं होती तो गुस्सा फूट पड़ता है, स्थिति बिगड़ जाती है। अंत में किसी भी रिश्ते का सार यही है संतुलन, समझ और समय पर शांत रहना। अगर एक चिल्ला रहा है, तो दूसरे को संयम दिखाना चाहिए। यही छोटी-छोटी बातें रिश्तों को बचाती हैं।

CONTINUED ON ▸ 3

रिश्तों में क्लैरिटी होना बहुत ज़रूरी होता है

देखिए, मेरी नजर में महिलाओं की जिंदगी काफी बदल चुकी है। उन्होंने हर जगह, खासकर डिसीजन मेकिंग में अपने आप को प्रूव किया है। हालांकि, समस्या यह है कि हमारा समाज अब भी कुछ पुरानी धारणाओं पर अटका है। जैसे हम मेल ईगो बोलते हैं, लेकिन फीमेल ईगो शब्द सुनाई नहीं देता। यानी मान लिया गया है कि Ego हमेशा पुरुष का ही होता है। अब यहां समझदारी की जरूरत है। अगर एक महिला समझ ले कि सामने वाले में मेल ईगो है तो उसे यह भी समझना होगा कि उसे उस स्थिति में कैसे रिएक्ट करना है। मैं चाहे किसी बड़ी कंपनी की CEO हो जाऊं पर घर में वह मेरा पति है तो हर बात उसी तरीके से नहीं कही जा सकती जैसे दफ्तर में कही जाती है। रिश्तों में क्लैरिटी जरूरी है। जब आप किसी से प्यार करते हैं या किसी परिवार का हिस्सा बनते हैं तो पहले से यह जानना जरूरी है कि सामने वाला कैसा है और कौन-सी बात उसे कहां तक स्वीकार है। हम सबके पास चॉइस है। अगर सामने वाला आपको नहीं समझ रहा तो आप समझिए, बातचीत कीजिए और चीजों को बेहतर करने की कोशिश कीजिए। निष्कर्ष सिर्फ इतना है कि रिश्ते ईगो से नहीं, समझ और संतुलन से चलते हैं।

टाइमपास के फंडे

आप भी कर रहे है समय का सदुपयोग, तो हमे भेजे टाइमपास की फोटो lucknowtimesnbt@gmail.com पर। सब्जेक्ट मे लिखे- Timepass

आर्य राज यादव

अविका अग्रवाल

अक्सा हसन, गुरुपुलिया

तेजस्वी

मेरा प्यारा PET

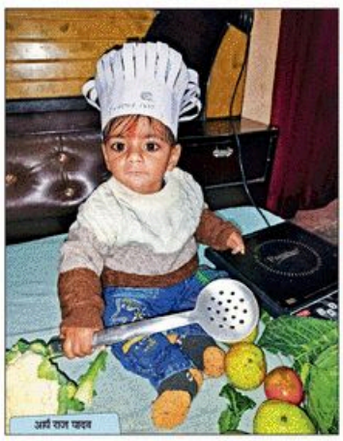

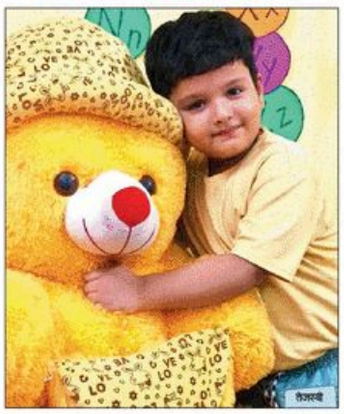

अपने पेट्स के साथ की फोटो ईमेल करें lucknow times nbt@gmail.com पर। नाम, पता लिखना न भूलें और सब्जेक्ट मे लिखे- My Pet

रश्मि शर्मा

कुणाल

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष आपको रजत पाद से प्रवेश हो रहा है। वर्ष का स्वामी शुक्र मंगल ग्रह बने है। अप्रैल मे काफी समय से टल रही योजनाएं पूरी होंगी। इष्ट मित्रों से सहयोग का समाचार मिलेगा। मई मे खोज, रचनात्मक कार्यों मे प्रगति होगी राज समाज मे सम्मान बढ़ेगा, प्रतियोगिता मे विजय होगी। जून जुलाई मे न चाहते हुए भी कहीं जाना पड़ेगा। अगस्त- सितंबर मे सभी लोग आपके कार्य कौशल की प्रशंसा करेंगे। अक्टूबर-नवंबर मे आपके रहन-सहन का स्तर बढ़ेगा। शत्रु पराजित होंगे। दिसंबर से जनवरी 2027 मे रोग ऋण से मुक्ति मिलेगी। सफलता के लिए स्नान उपरान्त सूर्य नारायण को अर्घ्य जल प्रदान करें। -आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग (सोमवार, 16 मार्च 2026)

राष्ट्रीय मिति फाल्गुन 25, शक संवत 1947, चैत्र कृष्ण, द्वादशी, सोमवार, विक्रम संवत 2082। सौर चैत्र मास प्रविष्टे 3, रमजान 26, हिजरी 1447 (मुस्लिम), तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 16 मार्च 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, बसंत ऋतु। राहु काल सुबह 7 बजकर 30 मिनट से 9 बजे तक। द्वादशी तिथि सुबह 9 बजकर 41 मिनट तक के बाद त्रयोदशी तिथि का आरंभ। धनिष्ठा नक्षत्र अगले दिन सुबह 6 बजकर 22 मिनट तक के बाद शतभिषा नक्षत्र का आरंभ। शिव योग सुबह 9.37 बजे तक के बाद सिद्ध योग का आरंभ। चंद्रमा शाम 6 बजकर 14 मिनट तक मकर उपरांत कुंभ राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार पापमोचनी एकादशी व्रत।

सुडोकू

		7	2		3			
		5	9					7
9	3				1		5	
6			8				4	
	7		1		4		6	
	2				5			8
	8		4				3	1
6					7	8		
			3		9	7		

कल के सुडोकू का जवाब

8	2	5	1	7	6	9	4	3
7	3	4	8	2	9	6	5	1
1	6	9	3	4	5	8	7	2
2	5	7	9	8	4	3	1	6
3	4	1	7	6	2	5	8	9
9	8	6	5	1	3	7	2	4
5	1	3	2	9	8	4	6	7
4	7	8	6	3	1	2	9	5
6	9	2	4	5	7	1	3	8

TELEVISION

- 09:00 बबलू डबलू
- 10:00 बड़ुआ बुढ़ऊ
- 11:00 रुद्र के रक्षक
- 11:30 अलादीन
- 12:00 चक्रधारी अजेय कृष्ण
- 13:30 भ से भाई
- 14:30 हम पांच
- 15:00 अजब देश की गजब कहानी
- 16:30 प्यार मोहब्बत हैप्पी लकी

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
कार्यक्षेत्र में आपके पक्ष में कुछ सकारात्मक परिवर्तन हो सकते है, लेकिन आप अपने सद्व्यवहार और कुशलता से माहौल को सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। रात में जीवनसाथी का स्वास्थ्य अचानक ढीला होने के कारण कुछ मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

TAURUS 20 Apr - 20 May
आज का दिन परिवार वालों के साथ आपका सुखद बीतेगा। भाग्यवश दोपहर तक हर्षवर्धक शुभ समाचार की प्राप्ति होगी जिससे घर का वातावरण प्रफुल्लित रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है, लापरवाही न करें। शाम के समय किसी प्रिय अतिथि के आगमन से मन प्रसन्न होगा।

GEMINI 21 May - 21 Jun
पिता के आशीर्वाद तथा उच्चाधिकारियों के सहयोग से किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा पैतृक संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता अधिक रहेगी, इसलिए व्यर्थ के व्यय से बचें। शाम से लेकर रात तक तेज गति से चलने वाले वाहनों के प्रयोग में पूर्ण सावधानी बरतें।

CANCER 22 Jun - 22 July
राशि स्वामी की उत्तम स्थिति एवं बृहस्पति के गोचर प्रभाव से आज अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति हो सकती है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। व्यावसायिक योजनाओं को नई गति मिलेगी और राज्य मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। हालांकि, जल्दबाजी व भावुकता में कोई भी बड़ा निर्णय न लें।

LEO 23 July - 22 Aug
राजनीतिक क्षेत्र में आज आपको आशातीत सफलता प्राप्त होगी। संतान के प्रति अपने दायित्वों की पूर्ति करने में सफल रहेंगे। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आप विरोधियों से आगे बढ़ेंगे और रुके हुए कार्य संपन्न होंगे। रात का समय प्रियजनों के साथ हास्य-परिहास और मनोरंजन में व्यतीत होगा।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
आज कर्मक्षेत्र में आपकी तत्परता और मेहनता से लाभ के योग हैं। स्वजनों से सुख और परिवार में मांगलिक कार्यों की खुशी होगी। रचनात्मक कार्यों में आपका मन लगेगा। यदि कोई विपरीत परिस्थिति उत्पन्न हो, तो अपने क्रोध पर काबू रखें। घर-गृहस्थी की पुरानी समस्या सुलझ जाएगी और राजकीय मदद भी मिलेगी।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में आपको विशेष उपलब्धि प्राप्त होगी। आय के नए स्रोत बनेंगे और आपकी बात करने की कला आपको समाज में विशेष सम्मान दिलाएगी। अत्यधिक भागदौड़ के कारण स्वास्थ्य पर मौसम का विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए सजग रहें।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा, जिससे धन, सम्मान और यश-कीर्ति में वृद्धि होगी। काफी समय से रुका हुआ कोई महत्वपूर्ण कार्य आज सिद्ध होगा। वाणी पर संयम रखना अनिवार्य है, अन्यथा अनावश्यक विवाद से परिस्थितियां प्रतिकूल हो सकती है। शाम में प्रियजनों से भेंट होगी और शाम में मित्रों के साथ घूमेंगे।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आज घरेलू उपयोग की वस्तुओं पर धन व्यय होगा, जिससे सांसारिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। किसी अधीनस्थ कर्मचारी या संबंधी के कारण मानसिक तनाव बढ़ सकता है, धैर्य से काम लें। रुपए-पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें, धन फंसने की आशंका है। मित्रों से सहयोग मिलेगा।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
व्यावसायिक क्षेत्र में आज मन के अनुकूल लाभ होने से मन हर्षित रहेगा। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में अधिक सुदृढ़ होगी। यदि आप व्यवसाय परिवर्तन की योजना बना रहे हैं, तो समय अनुकूल है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। शाम में किसी धार्मिक यात्रा का प्लान अचानक टल सकता है।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
राशि स्वामी शनि की मध्यम स्थिति के कारण जीवनसाथी को शारीरिक कष्ट हो सकता है, जिससे भागदौड़ और खर्च बढ़ेगा। किसी भी संपत्ति के क्रय-विक्रय से पहले उसके सभी वैधानिक और कानूनी पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। शाम तक स्थिति में सुधार होगा।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
वैवाहिक जीवन सुखद और आनंददायक रहेगा। आज किसी जरूरी काम से पास या दूर की यात्रा हो सकती है। व्यापार में बढ़ती उन्नति को देखकर मन में बहुत संतोष और खुशी होगी। विद्यार्थियों को परेशानियों से छुटकारा मिलेगा। शाम घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

'सिलेंडर...'

Pen Drive

सिलेंडर पर पड़ी
महंगाई की मार,
अफवाहें मत
फैलाओ यार...
कहीं नहीं है
किल्लत यार
नाली से गैस
बनाओ यार...
पकौड़े वाले हुये
बेरोजगार
नया धंधा अब ढूंढो
यार...
गिरता रुपया, बढ़ता
डॉलर
विश्वगुरु बनने को
तैयार...
चारों तरफ मचा है
हाहाकार
झोला उठाकर
भागो यार...
-नवीन लखनवी

अपनी लिखी कविताएं lucknowtimesnbt@gmail.com पर भेजिए। सब्जेक्ट में लिखें pen drive

HEALTH & WELLNESS TIMES interact

GET NOTICED TIMES interact

GALLERIA TIMES interact

EDUCATION FORUM TIMES interact

पता था कि सिर्फ एक चीज़ के लिए ही पैदा नहीं हुई हूं: शिल्पा शिंदे

CONTINUED FROM 1

मेरी जिंदगी एक ऐसे लेवल पर पहुंच गई थी, जहां मुझे उसी वक्त उसी तरीके से फैसला लेना पड़ा। मैंने जो छोड़ा या कहें कि मैं जो से आउट थी लेकिन उस पल जो निर्णय था, वह बिल्कुल साफ था। मुझे पता है कि मैं सिर्फ इसी एक चीज के लिए पैदा नहीं हुई हूं इसलिए मैंने उस वक्त वो रास्ता नहीं चुना। आज जब मैं वापस हूं और पहले से ज्यादा सम्मान मिल रहा है तो इसका सबसे बड़ा कारण यही है, आप सामने वाले को समझिए कि उसे क्या चाहिए। मैं उस वक्त भी प्रोड्यूसर का पॉइंट समझ रही थी लेकिन बीच में किसी तीसरे ने आग लगाई थी। उन्होंने मेरे साथ चीजें डिस्कस ही नहीं की। अब हालात अलग हैं। आज मुझे पता है कि उन्हें कैसे संभालना है। उन्हें भी पता है कि मुझे कैसे ट्रीट करना है। मैंने साफ कहा था कि अगर काम ऐसे चलेगा तो मजा नहीं आएगा। जो पहले वाली मस्ती थी, जो नैचुरल फन था, वो नहीं दिख रहा था। मुझे इस काम के लिए बुलाया गया लेकिन मुझे मजा ही नहीं आ रहा था। यही वजह है कि आज मेरा वापस आना अपने आप में एक प्रूफ है कि अंडरस्टैंडिंग और सामने वाले को समझकर निर्णय लेना कितना जरूरी होता है।

डर से आज़ादी सबसे ज़रूरी है

मुझे नहीं लगता कि मैंने कोई गलती की थी। हां, कुछ लोग बहुत डिप्लोमैटिक होते हैं लेकिन मैं जिस चीज को कर सकती हूं, उसे मैं गलती नहीं मानती। परिस्थितियां जैसी बनीं, वहां रहकर उन्हें समझना जरूरी था। इसका मतलब यह नहीं कि आप झुककर रहें। अगर आप गलत नहीं हैं तो आपको झुकना नहीं चाहिए। गलत चीज को इतना बड़ा भी न बनाइए कि हर समय 'मेरे साथ गलत हुआ' ही लगता रहे। आप जब सच में गलत नहीं हैं, तब डरने की कोई वजह नहीं होती। मैं आज भी यहां इसलिए हूं क्योंकि मैंने कुछ गलत नहीं किया था। न उस वक्त डर था, न अब है। आगे भी डरकर नहीं जीना है। अपनी बात साफ कहने में डर कैसा? गलती मेरी हो तो मैं मान लूं, समस्या मेरी हो तो मैं बोल दूं लेकिन डरना नहीं है। इस फील्ड में डर ही आपको सबसे ज्यादा परेशान करता है। यही आपको तनाव देता है, बाकी चीजों में उलझाए रखता है। अगर आपने डर को छोड़ दिया, चाहे वह किसी भी चीज का हो तो आप बहुत सारी चीजों से आजाद हो जाते हैं।

'पिछले साल से 40 प्रतिशत कम हो गए हैं जायरीन'

CONTINUED FROM 1

अल-हिंद टूर एंड ट्रैवल के फैजान बताते हैं कि हज इस्लाम के प्रमुख स्तंभों में से एक है और मुसलमान इसे हर साल अदा करते हैं। इसके विपरीत उमराह साल के किसी भी समय किया जा सकता है। इसमें सऊदी अरब के मक्का और मदीना में स्थित पवित्र मस्जिदों की यात्रा शामिल है। रमजान के समय उमराह करना सबसे अच्छा माना जाता है इसलिए लोग ज्यादा से ज्यादा रमजान में ही जाते हैं। इस बार रमजान के बीच ही इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमले की वजह से सऊदी अरब सहित मिडिल ईस्ट के कई देश इस जंग की चपेट में आ चुके हैं। इससे कई खाड़ी देशों में हवाई क्षेत्र बंद हो गए हैं। सऊदी अरब के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, भारत से 2023 के मुकाबले करीब 32 प्रतिशत अधिक तीर्थयात्री 2024 में गए थे। 2024 में 18 लाख से अधिक लोग उमराह करने गए थे। पिछले साल की तुलना में अब तक करीब चालीस प्रतिशत जायरीनों में कमी आई है।

AI Image

लोग पूछ रहे हैं कहीं हालात ज्यादा गंभीर तो नहीं

कुर्सी रोड स्थित उमराह फर्स्ट टूर एंड ट्रैवल के मोहम्मद कलीम बताते हैं कि हर बार की तरह इस बार भी रमजान में उमराह करने वाले खूब आ रहे थे। शुरुआत में खूब बुकिंग हुई। लखनऊ से ज्यादातर लोग दस रमजान के बाद जाना पसंद करते हैं। हालांकि, इसके बाद ही जंग छिड़ गई और हालात बदल गए। ज्यादातर लोगों की क्वैरीज यही रहती है कि वहां जाना कितना सेफ है। हर कोई सुरक्षा को अधिक महत्व दे रहा है। अब आप इसको ऐसे समझिए कि हर दूसरी से तीसरी क्वैरीज वहां मौजूदा स्थिति को लेकर ही आ रही है। यही वजह है कि हमारे पास करीब तीस से चालीस प्रतिशत कम बुकिंग हुई है।

स्कूल टाइम

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

स्कूल चयन में ओपन हाउस बन रहे हैं अहम

Neha Arora
@timesofindia.com

जैसे-जैसे स्कूलों में एडमिशन का मौसम नजदीक आता है, कई पैरेंट्स के सामने अपने बच्चे के लिए सही स्कूल चुनने का महत्वपूर्ण निर्णय होता है। ब्रोशर, वेबसाइट और ऑनलाइन समीक्षाओं से आगे बढ़कर अब एक और महत्वपूर्ण पहलू इस निर्णय को प्रभावित कर रहा है, स्कूलों द्वारा आयोजित ओपन हाउस या कैंपस विजिट। इन मुलाकातों से पैरेंट्स को स्कूल के माहौल को करीब से देखने का अवसर मिलता है और वे प्रवेश प्रक्रिया को अंतिम रूप देने से पहले अधिक सोच-समझकर निर्णय ले पाते हैं।

काउंसलर अपरना गुप्ता कहती हैं, "ओपन हाउस अब कई स्कूलों की प्रवेश प्रक्रिया का एक अहम हिस्सा बन गए हैं। इन सत्रों के दौरान पैरेंट्स को कैंपस देखने, स्कूल प्रबंधन से बातचीत करने और संस्थान की सोच, पाठ्यक्रम व सुविधाओं को बेहतर तरीके से समझने का मौका मिलता है। कई परिवारों के लिए यह अनुभव ऐसी स्पष्टता और भरोसा देता है, जो केवल डिजिटल जानकारी से नहीं मिल सकता।"

कैंपस विजिट और ओपन हाउस के माध्यम से पैरेंट्स स्कूल की सुविधाओं और पढ़ाने के तरीके को समझकर बच्चों के एडमिशन का बेहतर निर्णय ले सकते हैं

कैंपस विजिट का सबसे बड़ा फायदा यह है कि पैरेंट्स स्कूल की बुनियादी सुविधाओं और ढांचे को सीधे तौर पर देख सकते हैं।

एक स्कूल के प्रिंसिपल राजदीप सिंह कहते हैं, "क्लासेज, लाइब्रेरी, साइंस और कंप्यूटर लैब, खेल सुविधाएं और गतिविधि स्थल बच्चे के सीखने के अनुभव को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ब्रोशर में इन सुविधाओं का जिक्र जरूर होता है, लेकिन उन्हें प्रत्यक्ष देखकर पैरेंट्स यह आकलन कर सकते हैं कि स्कूल वास्तव में सुरक्षित और अच्छी तरह से सुसज्जित वातावरण प्रदान करता है या नहीं।"

कैंपस विजिट के दौरान पैरेंट्स को स्कूल के नेतृत्व और टीचर्स से सीधे बातचीत करने का भी अवसर मिलता है। एक स्कूल की शिक्षिका प्रेमिला अरोड़ा बताती हैं, "ओपन हाउस सेशन में अक्सर प्रिंसिपल या अकादमिक सदस्य प्रस्तुति देते हैं, जिसमें स्कूल की सोच, स्टडी पैटर्न और स्टूडेंट डिवेलपमेंट प्रोग्राम के बारे में जानकारी दी जाती है। पैरेंट्स सिलेबस, पढ़ाने के तरीके, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और स्टूडेंट सहायता प्रणालियों से जुड़े सवाल भी पूछ सकते हैं।"

कैंपस विजिट के दौरान पैरेंट्स स्कूल के समग्र माहौल और संस्कृति पर भी ध्यान देते हैं। स्टूडेंट और टीचर्स के बीच बातचीत का तरीका, परिसर में अनुशासन और समग्र वातावरण अक्सर गहरा प्रभाव छोड़ते हैं। सकारात्मक और स्वागतपूर्ण माहौल पैरेंट्स को यह भरोसा दिलाता है कि उनका बच्चा वहां सहज और सुरक्षित महसूस करेगा।

आजकल ओपन हाउस कार्यक्रम पहले की तुलना में अधिक इंटरएक्टिव और जानकारीपूर्ण हो गए हैं। स्कूल अब पैरेंट्स को बेहतर तरीके से जोड़ने के लिए मल्टीमीडिया प्रेजेंटेशन, गाइडेड कैंपस टूर और टीचर्स के साथ संवाद सत्र आयोजित करते हैं। कुछ संस्थान तो मौजूदा अभिभावकों से भी मुलाकात कराते हैं, ताकि वे स्कूल से जुड़े अपने अनुभव और दृष्टिकोण साझा कर सकें।

ओपन हाउस कार्यक्रम यह भी दिखाते हैं कि स्कूल केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि समग्र विकास पर भी ध्यान देते हैं।

CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 15-03-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMBP User: vartul.awasthi@timesofindia.co Time: 03-14-2026 20:59 Color:

अप्रैल में शुरू होगी रामू की फिल्म सरकार 4

राम गोपाल वर्मा की फिल्म सरकार की अगली किस्त की चर्चा काफी समय से हो रही थी। अब राम गोपाल वर्मा ने सरकार 4 बनने की खबर को कन्फर्म कर दिया है। उन्होंने एक इवेंट में बताया कि वह सरकार 4 पर काम कर रहे हैं। इसकी शूटिंग अगले महीने से शुरू हो जाएगी।

प्री-ऑस्कर पार्टी में एमा और ट्रेसी के साथ दिखीं प्रियंका

अकैडमी अवॉर्ड्स से पहले प्री-ऑस्कर पार्टीज का दौर शुरू हो गया है। ऐसी ही एक पार्टी में प्रियंका चोपड़ा अपने पति निक जोनस के साथ शामिल हुईं। खास बात यह है कि इस पार्टी में एमा वॉटसन, हैली बीबर और रॉबर्ट पैटिंसन जैसे नामी सितारे भी शामिल हुए थे। इस प्री-ऑस्कर इवेंट की वायरल हो रही एक फोटो में प्रियंका चोपड़ा हैरी पॉटर स्टार एमा वॉटसन और गर्लफ्रेंड्स फेम ऐक्ट्रेस ट्रेसी ऐलिस रॉस के साथ नजर आ रही हैं। इनके अलावा मैकॉले कल्किन, चार्लीज थेरॉन, पैरिस हिल्टन जैसी हस्तियां भी इस समारोह में शामिल हुईं।

पैरिस हिल्टन, कैंडल जेनर, हैली बीबर और अनास्तासिया करनीकोलाऊ

जेफ गोल्डब्लम, एमिली लिविंगस्टन, पैरिस हिल्टन और मैकॉले कल्किन

निक जोनस, प्रियंका चोपड़ा और जॉनथन एडरसन

रॉबर्ट पैटिंसन

पार्टी में स्टार कपल्स

इस पार्टी में कई जोड़े भी नजर आए। इनमें रॉबर्ट पैटिंसन-सूकी वॉटरहाउस, जेफ गोल्डब्लम-एमिली लिविंगस्टन, जॉन हैम और ऐना ओसियोलो जैसे नामी कपल शामिल थे। इस दौरान प्रियंका और निक पर सबकी निगाहें टिकी हुई थीं।

आयुष्मान-सारा की स्पाई कॉमिडी पर फिर काम शुरू

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की स्पाई कॉमिडी फिल्म पिछले दो साल से अधर में थी। अब खबर है कि इस फिल्म की शूटिंग दोबारा से शुरू हो चुकी है।

दरअसल, साल 2024 में पहले शेड्यूल के बाद ही इस फिल्म की शूटिंग रुक गई थी मगर अब दोबारा से शुरू की गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कुछ ही दिनों में फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली जाएगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि करण जौहर और गुनीत मोंगा की इस फिल्म की शूटिंग पर तेजी से काम चल रहा है। फिल्म के मुख्य कलाकारों ने फरवरी माह में मुंबई में एक बड़ा शूटिंग शेड्यूल पूरा किया है। फिल्म के हालिया शेड्यूल की सबसे बड़ी खासियत इसका एक गाना है। गाने को फिल्म के निर्देशक आकाश कौशिक पहले दिल्ली और मुंबई के असली लोकेशन्स पर शूट करना चाहते थे, लेकिन जब ऐसा संभव नहीं हो पाया तो टीम ने मुंबई के मढ आइलैंड पर एक बड़ा सेट तैयार किया। बताया जा रहा है कि यह गाना दिल्ली में मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इस भव्य सीन को फिल्माने के लिए करीब 700 से ज्यादा डांसर व जूनियर आर्टिस्ट शामिल किए गए थे।

स्कूल टाइम

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

सही तैयारी से आपको मिलेगी सफलता

स्कूल एंट्रेंस एग्जाम में सफलता के लिए मजबूत तैयारी, विषयों की स्पष्ट समझ, टाइम मैनेजमेंट और नियमित अभ्यास बेहद जरूरी हैं।

Neha.Arora6
@timesofindia.com

स्कूल एंट्रेंस एग्जाम में सफलता पाने के लिए सही रणनीति, आत्मविश्वास और तैयारी जरूरी है। ये परीक्षाएं केवल स्टूडेंट के एजुकेशन नॉलेज को ही नहीं, बल्कि उसकी सोचने की क्षमता, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल और सीखने के प्रति दृष्टिकोण को भी परखने के लिए आयोजित की जाती हैं। सही दृष्टिकोण अपनाकर स्टूडेंट अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं और अच्छे स्कूल में प्रवेश पाने की संभावना बढ़ा सकते हैं।

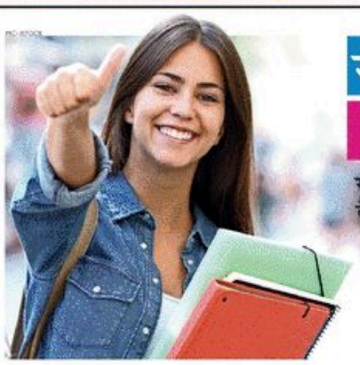

स्कूल में प्रवेश पाने की प्रक्रिया में सफलता केवल एजुकेशन तैयारी पर ही निर्भर नहीं करती, बल्कि प्रेजेंटेशन, आत्मविश्वास और अनुशासन भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। अच्छी तैयारी और विनम्र व्यवहार के साथ स्टूडेंट लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों में आत्मविश्वास के साथ बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

सबसे पहला कदम है सही और व्यवस्थित तैयारी। एक स्कूल की शिक्षिका ऋतु यादव कहती हैं,"स्टूडेंट्स को इंग्लिश, मैथ्स और सामान्य ज्ञान जैसे विषयों की बुनियादी कॉन्सेप्ट्स को देखना चाहिए, क्योंकि अधिकतर एंट्रेंस एग्जाम्स में इन्हें शामिल किया जाता है। पिछली क्लास की किताबों का रिविजन करना, ग्रामर का अभ्यास करना और गणित के बुनियादी सवाल हल करना आत्मविश्वास बढ़ाने और सटीकता सुधारने में मदद करता है।"

समय प्रबंधन भी बहुत महत्वपूर्ण है। परीक्षा के दौरान स्टूडेंट्स को हर प्रश्न को ध्यान से पढ़ना चाहिए और यह तय करना चाहिए कि हर सेगमेंट पर कितना समय देना है। पहले आसान प्रश्न हल करने और फिर कठिन प्रश्नों की ओर बढ़ने से समय की बचत होती है और अधिकतम प्रश्न सही तरीके से हल किए जा सकते हैं। कुछ स्कूल लिखित परीक्षा के साथ इंटरव्यू या इंटरैक्शन राउंड भी आयोजित करते हैं। इसमें स्टूडेंट्स से उनके शौक, रुचियों या उपलब्धियों के बारे में पूछा जा सकता है।

काउंसलर प्रियंका राय के अनुसार,"ऐसे संवाद के दौरान ईमानदार, विनम्र और आत्मविश्वासी रहना सकारात्मक प्रभाव डालता है।"

विषयवार तैयारी भी उतनी ही जरूरी है। अंग्रेजी के पेपर में प्रश्नों को ध्यान से पढ़कर सरल और व्याकरण की दृष्टि से सही वाक्यों में उत्तर लिखना चाहिए। एक स्कूल में इंग्लिश टीचर अलका नाथ कहती हैं,"सही वर्तनी और उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करना बहुत आवश्यक है।"

हिंदी के पेपर में साफ-सुथरी लिखावट और सही व्याकरण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। एक स्कूल की हिंदी शिक्षिका कविता सेठ कहती हैं,"स्टूडेंट्स को स्पष्ट और सुव्यवस्थित वाक्यों में उत्तर लिखना चाहिए तथा सही मात्राओं, विराम चिह्नों और शब्दावली का प्रयोग करना चाहिए।"

गणित के पेपर में सटीकता और समय प्रबंधन बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। स्टूडेंट्स को पहले आसान प्रश्न हल करने चाहिए और फिर कठिन प्रश्नों की ओर बढ़ना चाहिए। साथ ही, हर चरण को स्पष्ट रूप से लिखना चाहिए ताकि कॉन्सेप्ट्स की समझ दिखाई दे। नियमित अभ्यास भी सफलता की कुंजी है। स्टूडेंट नमूना प्रश्नपत्र हल कर सकते हैं, कंसेंट्रेशन का अभ्यास कर सकते हैं और मॉक टेस्ट दे सकते हैं, जिससे उन्हें परीक्षा के प्रारूप की समझ हो जाती है। लगातार अभ्यास से गति बढ़ती है, गलतियां कम होती हैं और कमजोर क्षेत्रों की पहचान कर उन्हें सुधारने में मदद मिलती है।

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in